विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 25 जून 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

सन्धि – प्रकरणम्

.3 वृद्धि - सन्धि- 'अ' या 'आ' के आगे (बाद में) यदि 'ए' या 'ऐ' आएँ तो दोनों के स्थान पर 'ए' तथा 'ओ' या 'औ' आएँ तो दोनों के स्थान पर 'औ' हो जाता है। इसके ही वृद्धि कहते है। इस नियम को अधोलिखित तालिका के माध्यम के कंठस्थ किया जा सकते है -

1. अ/आ + ए/ऐ = ऐ 2. अ/आ + ओ/औ = औ

(क) अ + ए = मम + एव - ममैव

(ख) अ + ए = इन्द्र + ऐरावतौ - इन्द्रैरावतौ

(ग) अ + ओ = तव + औषधिः - तवौषधिः

(घ) अ + औ = मम + औषधिः - ममौषधिः

4. यण् - सन्धिः - यण संधि के अनुसार इ, ई, उ, ऊ तथा ओ के बाद (इ, ,ई, उ, ऊ, तथा ऋ को छोडकर) कोई अन्य स्वर आए, तो इ/ई को 'य्' उ/ऊ को 'व्' तथा ऋ को 'र्' हो जाता है।

इ/ई आसमान = य् (इ/ई को)

उ/ऊ + स्वर = व् (उ/ऊ को)

ऋ = र् (ऋ को)

(क) इ + असमान स्वर = य्

अपि + आचारः - अत्याचारः

(ख) ई + असमान स्वर = य्

देवी + उवाच - देव्युवाच

(ग) उ + असमान स्वर = व्

सु + आगतम् - स्वगतम्

(घ) ऊ असमान स्वर = व्

वधू + आगमनम् - वध्वागमनम्

(ड) ऋ + असमान स्वर = र्

पितृ + आदेशः - पित्रादेशः